Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय-6 | मेरे बचपन के दिन | महादेवी वर्मा

Worksheet-1

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. मेरे बचपन के दिन पाठ के संदर्भ में लेखिका ने पाँचवीं कक्षा में किस गर्ल्स संस्थान में प्रवेश लिया था?

(अ) क्रास्थवेट
(ब) प्योर हार्ट
(स) मैरी
(द) सेंट कबीर

2. मेरे बचपन के दिन पाठ के संदर्भ में सुभद्रा कुमारी चौहान ने महादेवी वर्मा की तलाशी कहाँ की ली थी?

(अ) संदूक
(ब) अलमारी
(स) डेस्क
(द) बैग

3. मेरे बचपन के दिन पाठ के सन्दर्भ में माँ ने लेखिका को कौन-सी पुस्तक दी?

(अ) महाभारत
(ब) रामायण
(स) पंचतन्त्र
(द) गीता

4. लेखिका 'महादेवी वर्मा' जी के बाबा को किन किन भाषाओं का ज्ञान था?

(अ) अंग्रेजी और फ्रांसीसी
(ब) मराठी और अवधी
(स) हिंदी और संस्कृत
(द) उर्दू और फ़ारसी

5. मराठी लड़की जेबुन्निसा कहाँ से आकर महादेवी वर्मा के साथ रही थी?

(अ) पीतमपुर
(ब) जामपुर
(स) कोल्हापुर
(द) जौनपुर

6. छात्रावास में लेखिका महादेवी वर्मा की पहली साथिन कौन थी?

(अ) सुभद्राकुमारी चौहान
(ब) अचला नागर
(स) कोई नहीं
(द) शिवानी

7. "तुम लिखती भी हो?"- ऐसा महादेवी वर्मा को किसने कहा ?

(अ) सुभद्रा कुमारी
(ब) बाबा जी
(स) ताईजी
(द) जेबुन्निसा

8. मेरे बचपन के दिन पाठ के संदर्भ में सुना है उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे- परमधाम से लेखिका का क्या आशय है?

(अ) लड़की की हत्या कर देना
(ब) लड़कियों के हॉस्टल का नाम
(स) संन्यास की दीक्षा देना
(द) तीर्थ यात्रा पर भेज देना

9. महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में क्या मिला था?

(अ) एक शाल
(ब) प्रेमचन्द का उपन्यास (गोदान)
(स) गोतों की एक पुस्तक
(द) चाँदी का कटोरा

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

10. महादेव जी का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(अ) 1907 में उत्तर प्रदेश के जबलपुर में

(ब) 1909 में उत्तर प्रदेश के अलिबाबाद में

(स) 1907 में उत्तर प्रदेश के फ़र्रुखाबाद में

(द) 1910 में उत्तर प्रदेश के इलाहबाद में

रिक्त स्थान :

11. मेरे बचपन के दिन पाठ के संदर्भ में सुभद्रा जी _____ की रहने वाली थी।

12. लेखिका महादेवी वर्मा की माँ _____ से आई थी।

सत्य / असत्य

13. उर्वशी रचना महादेवी जी की नहीं है।

14. मेरे बचपन के दिन पाठ के संदर्भ में लेखिका की माँ सूरदास के पद गाया करती थी।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सुभद्रा ने लेखिका का पुरस्कार देखकर उससे किसकी माँग की थी?

16. मौलवी साहब को देखकर लेखिका चारपाई के नीचे क्यों छिप जाती थी?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. 'ताई साहिबा के उदाहरण द्वारा महादेवी ने क्या संदेश देने का प्रयास किया है?

18. सुभद्रा कुमारी का साथ मिलने पर लेखिका महादेवी वर्मा की रचनाओं में क्या बदलाव आया?

निबंधात्मक प्रश्न

19. 'क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज' राष्ट्रीय एकता की जीवंत मिसाल था-स्पष्ट कीजिए।

20. 'मेरे बचपन के दिन' पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

HOTS

21. महादेवी वर्मा ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का वर्णन किया है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. (अ) क्रास्थवेट।
2. (स) प्रेमचंद के फटे जूते पाठ में लेखक ने प्रेमचंद का यथार्थ चित्रण किया है।
3. (स) पंचतन्त्र
4. (द) महादेवी वर्मा के बाबाजी उर्दू-फ़ारसी भाषा के जानकार थे।
5. (स) कोल्हापुर।
6. (अ) सुभद्राकुमारी चौहान।
7. (अ) ऐसा लेखिका को उनकी सहपाठिन सुभद्रा कुमारी ने कहा।
8. (अ) परमधाम भेजने का अर्थ लडकियों की हत्या कर देने से है।
9. (द) चाँदी का कटोरा।
10. (स) सन् 1907 में उ.प्र. के फर्रुखाबाद में।
11. **रिक्त स्थान :** कोल्हापुर की
12. **रिक्त स्थान :** जबलपुर
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. चाँदी के कटोरे की।
16. क्योंकि मौलवी साहब को देखकर उन्हें डर लगता था।
17. ताई साहिबा जवारा के नवाब की पत्नी थीं। वे और लेखिका का परिवार एक ही कंपाउंड में रहते थे। यहाँ महादेवीजी ने उनके साथ अपने पारिवारिक संबंधों का वर्णन किया है। वे एक-दूसरे के त्योहारों को मिल-जुलकर मनाते थे। बच्चों के जन्मदिन को दोनों परिवार के लोग साथ-साथ मनाते थे तथा परस्पर भावनाओं की कद्र करते थे। ताई साहिबा से लेखिका ने सांप्रदायिक भेद-भाव त्यागकर साथ रहने, परस्पर सद्भावना बनाए रखने तथा एक-दूसरे की भावनाएँ समझने का संदेश दिया है।
18. लेखिका महादेवी वर्मा ने अपने घर में अपनी माँ से मीराबाई के पद सुने थे, जो ब्रज भाषा में होते थे। लेखिका ने भी माँ को सुनते-सुनते ब्रज भाषा में तुकबंदी करनी आरंभ कर दी। जब छात्रावास में उन्होंने सुभद्रा को खड़ी बोली लिखते देखा तो स्वयं भी खड़ी बोली में लिखना शुरू कर दिया।
19. क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज का वातावरण बहुत अलग और बहुत अच्छा था। वहाँ देश के सभी कोनों से आई लड़कियाँ साथ-साथ पढ़ती थीं। उनमे परस्पर सौहार्द भाव था। सभी लड़कियों के लिए एक ही मेस थी, जिसमें प्याज तक का प्रयोग नहीं किया जाता था। सभी एक साथ खाना खाया करती थीं। वे सभी भले ही अगल-अलग प्रांतों या स्थानों से आई हों और अपनी-अपनी भाषा में बोलती हों पर सभी हिंदी और उर्दू पढ़ती थीं। सभी एक साथ ही प्रार्थना करती थीं। उनमें जाति-धर्म या सांप्रदायिकता की भावना न थी। वे सभी एक दूसरे की भाषा को जानने और समझने का प्रयास करती थीं। उनमें भाषा तथा प्रांतीयता और धर्म के आधार पर कोई मतभेद न था। इस प्रकार वह कॉलेज राष्ट्रीय एकता की जीवंत मिसाल था।
20. 'मेरे बचपन के दिन" पाठ में लेखिका वर्मा ने स्मृतियों के सहारे कई रोचक घटनाओं का वर्णन किया है। उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों से आने वाली पीढ़ी को अवगत कराया। लेखिका ने तत्कालीन समाज के साथ-साथ अपने परिवार में स्त्री की स्थिति का चित्रण किया है। उन्होंने अपने शिक्षित परिवार के साथ-साथ घर के धार्मिक और सद्भावनापूर्ण वातावरण का भी चित्रण किया है। उस समय देश में सांप्रदायिकता के लिए कोई स्थान नहीं था। सभी छात्राएँ एक साथ हिंदी-उर्दू पढ़ती थीं तथा एक साथ खाना खातीं और एक ही प्रार्थना करती थीं। वे राष्ट्रीय आंदोलन में भी अपनी सामर्थ्य से अधिक योगदान दिया करती थीं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

जवारा के नवाब की पत्नी तथा लेखिका की माँ के सद्भावपूर्ण मेल-जोल आज की सांप्रदायिक भावना पर करारा प्रहार करते हैं।

अतः इस पाठ का प्रमुख उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी के मन में मेलजोल की भावना को मजबूत करना है। साथ ही पाठ हमें सांप्रदायिक सद्भाव से जुड़कर तथा राष्ट्रीय एकता को समृद्ध करने की प्रेरणा देता है। इस प्रकार हम अपनी स्वतंत्रता के प्रति सजग रहकर देश की सुरक्षा के लिए तन-मन-धन से अपने प्राण न्योछावर करने का संकल्प ले सकते हैं।

21. महादेवी वर्मा ने अपनी माँ की ये विशेषताएँ बताई हैं कि उनके परिवार में पहले हिंदी नहीं बोली जाती थी। माँ के आने के साथ ही उसके परिवार में हिंदी बोली जाने लगी। वे हिंदी के पद लिखती थीं और उन्हें गाया करती थीं। 'जागिए कृपा निधान पंछी बन बोले' सवेरे गाया करती थीं। वे संस्कृत की ज्ञाता थीं। लेखिका के मन में हिंदी और संस्कृत के प्रति उन्होंने ही रुझान उत्पन्न किया। वे धार्मिक स्वभाव की महिला थीं, जो पूजा-पाठ और गीता में विशेष रुचि रखती थीं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App